Patrika (Indore), 04th March 2025, Page - 05

#IITIndore: दिल्ली के हैबिटेट सेंटर में आयोजित समारोह में केंद्रीय मंत्री और सांसद ने सौंपा फंडिंग का लेटर

आइआइटी इंदौर के 15 हेल्थ स्टार्टअप्स को मिले ₹5 करोड़

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. स्वास्थ्य क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए आइआइटी इंदौर के 15 इनोवेटिव स्टार्टअप्स को 5 करोड़ की फंडिंग प्रदान की गई है। इस फंडिंग का उद्देश्य स्टार्टअप्स को और अधिक प्रभावी बनाने के साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर और सुलभ बनाने के लिए तकनीकी समाधान पेश करना है। सोमवार को दिल्ली के हैबिटेट सेंटर में आयोजित समारोह में केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह और सांसद शंकर लालवानी ने इन स्टार्टअप्स को फंडिंग का लेटर सौंपा। प्रत्येक स्टार्टअप को अधिकतम 1 करोड़ रुपये की फंडिंग भी मिल सकती है।

इस अवसर पर डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के सेक्रेटरी अभय करंदीकर, आइआइटी इंदौर के डायरेक्टर प्रो. सुहास जोशी और साइंस एंड टेक्नोलॉजी मिनिस्ट्री के अंतर्गत आने वाले डिपार्टमेंट आफ फ्यूचरिस्टिक टेक्नोलॉजी की हेड डॉ. एकता कपूर भी मौजूद थी। इन नवाचारों से न केवल ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं का स्तर सुधरेगा, बल्कि देशभर में स्वास्थ्य देखभाल की दिशा में भी परिवर्तन आएगा।

आइआइटी इंदौर का हेल्थ प्लेटफॉर्म चरक डीटी: आइआइटी इंदौर में एक नया हेल्थ प्लेटफॉर्म विकसित किया जा रहा है जिसे चरक डीटी कहा जाता है। इस प्लेटफॉर्म का उद्देश्य स्वास्थ्य देखभाल को पूरी तरह से तकनीकी दृष्टिकोण से बदलना है। इसके तहत विभिन्न चिकित्सा सेवाएं, स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार तकनीकें विकसित की जा रही हैं।

स्टार्टअप्स की नवाचारशीलता

इस फंडिंग से उन स्टार्टअप्स को लाभ मिलेगा जो हेल्थकेयर क्षेत्र में नवाचार के जरिए नई दिशा दे रहे हैं। इनमें से कुछ प्रमुख स्टार्टअप्स ने ऐसे तकनीकी समाधान पेश किए हैं, जो कई स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान करने में सक्षम हैं।

- **1. नोवा वॉक:** यह एक वियरेबल सॉल्यूशन है, जो पैरेलिसिस, उम्र या अन्य कारणों से चलने-फिरने में असमर्थ लोगों के लिए उपयोगी साबित होगा। यह सॉल्यूशन लोगों को चलने-फिरने में मदद करेगा।
- **2. एआइ बेस्ड सॉल्यूशन:** इस तकनीक से कोई भी व्यक्ति अपनी भाषा में डॉक्टर से संपर्क कर सकेगा। यह एक स्मार्ट समाधान है, जो भाषा की बाधाओं को समाप्त करता है।
- **3. अल्ट्रासाउंड रोबोट:** ग्रामीण इलाकों में अब सोनोग्राफी करना और भी आसान हो गया है। अल्ट्रासाउंड रोबोट के माध्यम से यह सेवा अब हर जगह सुलभ होगी।
- **4. पोर्टेबल ब्लड टेस्टिंग यूनिट:** एक नई इनोवेशन के रूप में अब एक पोर्टेबल ब्लड टेस्टिंग यूनिट उपलब्ध है, जो एक सूटकेस में समाई हुई है। इससे कहीं भी ब्लड टेस्ट किया जा सकता है, जिससे मेडिकल सेवाएं अधिक सुलभ हो रही हैं।

इंजीनियर और डॉक्टर साथ मिलकर करेंगे काम

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, डॉक्टर और इंजीनियर एक साथ मिलकर स्वास्थ्य क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन ला रहे हैं। टेक्नोलॉजी के माध्यम से यह संभव हो पाया है। नई शिक्षा नीति 2020 के तहत जल्द ही छात्र विभिन्न क्षेत्रों का अध्ययन कर सकेंगे जो भविष्य में इन समस्याओं के समाधान में सहायक होगा। सांसद ने कहा कि आइआइटी इंदौर ने हेल्थकेयर क्षेत्र में उन स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित किया है जो इस क्षेत्र में क्रांतिकारी काम कर रहे हैं। 10-20 साल पहले जिन बीमारियों का इलाज असंभव लगता था, वह आज इन स्टार्टअप्स के माध्यम से संभव हो रहा है।